प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन, जिला – खरगोन (म0प्र0)

(NAAC द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित संस्था, CGPA 2.81)

E-mail – hegpgckhr@mp.gov.in **Phone no. +91-7282-241562**

खरगोन, दिनांक 24/08/2024

//प्रतिवेदन//

भारतीय ज्ञान परंपरा:- नि:स्वार्थ भाव से कर्म करना ही कर्म योग है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान का किया गया अयोजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन त्यौहार पर पूरे देश में धूमधाम से तैयारियां की जा रही है। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन में भी प्राचार्य डॉ. शैल जोशी के मार्गदर्शन में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. गगन चौधरी ने "योग और मानव स्वास्थ्य" विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को एक करने की एक प्राचीन कला है। यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ध्यान और योगासन एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाते हैं।योग आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

प्राचार्य डॉ. शैल जोशी ने बताया श्रीकृष्ण के जीवन से हम प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन की विभिन्न समस्याओं का हल खोज सकते हैं।
निस्वार्थ भाव से कर्म करना ही कर्म योग है।

क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. जीएस चौहान ने बताया की श्रीमद भागवत गीता में जीवन के सभी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन दिया गया है। यह हमें जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने की शक्ति देती है और हमें एक सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

भौतिक विभागाध्यक्ष प्रो ललित भटानिया तथा डॉ. रंजीता पाटीदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सावित्री भागोरे ने किया तथा आभार प्रो संजय कोचक ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन, क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय और विधि महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहें।

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन

GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN

Digitally signed by GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN
DN: c=IN, postalCode=451001, st=MADHYA PRADESH, street=77 ,GAWSHINDE COLONY ,EAST NIMAR,451001, l=EAST NIMAR, o=Personal, serialNumber=2349424fd0a2c0c9270572f3d5083d4cbb9e32032514123eadaf9f8f4a8dcd1b, pseudonym=b81dc3b86dde4a4ab058694f5f578bf6, 2.5.4.20=b7b29ee6545baeae584bff707c148ca00de9feb7b409d58a80b6ef9514902c2c, email=MAILFORGS@REDIFFMAIL.COM, cn=GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN
Date: 2025.10.31 13:08:38 +05'30'

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन

E-mail – hegpgckhr@mp.gov.in Phone no. +91-7282-241562

प्रदेश टाइम्स भोपाल, 25 अगस्त 2024 6

भारतीय ज्ञान परंपरा

निःस्वार्थ भाव से कर्म ही कर्म योग

खरगोन (प्रदेश टाइम्स)।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान का किया गया अयोजन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन त्यौहार पर पूरे देश में धूमधाम से तैयारियां की जा रही है। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन में भी प्राचार्य डॉ. शैल जोशी के मार्गदर्शन में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. गगन चौधरी ने ÷योग और मानव स्वास्थ्य÷ विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को एक करने की एक प्राचीन कला है। यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ध्यान और योगासन एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ता है। साथ ही योग आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा देता है। प्राचार्य डॉ. शैल जोशी ने बताया श्रीकृष्ण के जीवन से हम प्रेरणा लेकर हमें अपने जीवन की विभिन्न समस्याओं का हल खोज सकते हैं। निस्वार्थ भाव से कर्म करना ही कर्म योग है। क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. जीएस चौहान ने बताया की श्रीमद भागवत गीता में जीवन के सभी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन दिया गया है। यह हमें जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने की शक्ति देती है और हमें एक सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। भौतिक विभागाध्यक्ष प्रो ललित भटानिया तथा डॉ. रंजीता पाटीदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सावित्री भागोरे ने किया तथा आभार प्रो संजय कोचक ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन, क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय और विधि महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहें।

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन

E-mail – hegpgckhr@mp.gov.in **Phone no. +91-7282-241562**

Collector Khargone

3 days ago

भारतीय ज्ञान परंपरा:- निःस्वार्थ भाव से कर्म करना ही कर्म योग है

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान का हुआ अयोजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन त्यौहार पर पूरे देश में धूमधाम से तैयारियां की जा रही है। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन में भी प्राचार्य डॉ. शैल जोशी के मार्गदर्शन में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. गगन चौधरी ने 'योग और मानव स्वास्थ्य' विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को एक करने की एक प्राचीन कला है। यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ध्यान और योगासन एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। योग आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

प्राचार्य डॉ. शैल जोशी ने बताया श्रीकृष्ण के जीवन से हम प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन की विभिन्न समस्याओं का हल खोज सकते हैं। निस्वार्थ भाव से कर्म करना ही कर्म योग है। क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. जीएस चौहान ने बताया की श्रीमद् भागवत गीता में जीवन के सभी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन दिया गया है। यह हमें जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने की शक्ति देती है और हमें एक सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

भौतिक विभागाध्यक्ष प्रो ललित भटानिया तथा डॉ. रंजीता पाटीदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सावित्री भागोरे ने किया तथा आभार प्रो संजय कोचक ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन, क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय और विधि महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहें।

PRO Jansampark Khargone

3 days ago

प्राचार्य

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खरगोन

GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN

Digitally signed by GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN
DN: c=IN, postalCode=451001, st=MADHYA PRADESH, street=77 ,GAWSHINDE COLONY ,EAST NIMAR,451001, l=EAST NIMAR, o=Personal, serialNumber=2349424fd0a2c0c9270572f3d5083d4cbb9e32032514123eadaf9f8f4a8dcd1b, pseudonym=b81dc3b86dde4a4ab058694f5f578bf6, 2.5.4.20=b7b29ee6545baeae584bff707c148ca00de9feb7b409d58a80b6ef9514902c2c, email=MAILFORGS@REDIFFMAIL.COM, cn=GIRIJENDRA SINGH CHAUHAN
Date: 2025.10.31 13:09:07 +05'30'